

॥ श्री स्वामी समर्थ ॥

---

॥श्री गंधर्व स्तोत्रः॥

---

॥श्री गणेशाय नमः॥

॥श्री स्वामी समर्थ :॥

ध्यायेत शांतं प्रशांतं कमलं सुनयनं योगी राजं दयालुम्।  
देवम मुद्रासनस्थं विमल तनुयुतं मंदहास्यं कृपालाम्॥  
सद्यध्यात मात्रो हरति च सकलां पापजालो धराशिनम्।  
भक्तानां हृद्निवासोजयति संविददत्त केवलानंद कंदम्॥

महाश्रुती ,चित्रशिरा ,उर्णायू ,अनघ ,गोमायु  
सुर्यवर्चा,सोमवर्चा,युगप ,तृणप ,काष्णिरच।  
नन्दि ,त्रिशिरा ,शालिशिरा ,पर्जन्य,कलि  
नारदहाहाहूहूतथाचहंस॥

एतानीएकोणविंशतीनामानीगंधर्वानांचमहत्म्यनाम  
एतदस्मरणमात्रेणकलासिद्धींचप्राप्नोती  
गायनकला ,वाचा ,सिद्धींत्रिकालदृष्टीसिद्धींचप्राप्नोती  
सद्गुरुश्रीस्वामीसमर्थस्यध्यातमात्रेणयोपठ्ती  
तेनसर्वगंधर्वानांचवरदलभतेनात्रसंशयः॥

---

॥ श्रीगुरुदत्तात्रेयार्पणमस्तु ॥

॥ श्री स्वामी समर्थार्पण मस्तु॥

---